हल प्रश्न पत्र, 2021-22

हिंदी 'ब'

सत्र-I, Set-4

Series : JSK/2

प्रश्न पत्र
कोड : 004/2/4

निर्धारित समय : 90 मिनट

सामान्य निर्देश—

(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल **55** प्रश्न दिये गए हैं जिनमें से केवल **40** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

(ii) सभी प्रश्न समान अंक के हैं।

(iii) प्रश्न-पत्र में तीन खंड हैं— खंड—क, ख और ग।

(iv) खंड-क में **20** प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्न संख्या **1** से **20** में से **10** प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार देने हैं।

(v) खंड-ख में **21** प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्न संख्या **21** से **41** में से **16** प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार देने हैं।

(vi) खंड-ग में **14** प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्न संख्या **42** से **55** तक सभी प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार देने हैं।

(vii) प्रत्येक खंड में निर्देशानुसार परीक्षार्थियों द्वारा पहले उत्तर किए गए वांछित प्रश्नों का ही मूल्यांकन किया जाएगा।

(viii) प्रत्येक प्रश्न के लिए केवल एक ही सही विकल्प है। एक विकल्प से अधिक उत्तर देने पर अंक नहीं दिये जाएँगे।

(ix) ऋणात्मक अंकन नहीं होगा।

खण्ड–'क' [1×10=10]

(अपठित गद्यांश)

I. नीचे दो अपठित गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए— 1 × 5 = 5

'प्रबुद्ध भारत', दिसंबर 1898, को दिए एक साक्षात्कार में विवेकानंदजी ने बताया कि मैंने पृथ्वी के दोनों गोलार्धों का पर्यटन किया है। मेरा तो दृढ़ विश्वास है कि जिस जाति ने सीता को उत्पन्न किया, चाहे वह उसकी कल्पना ही क्यों न हो, उस जाति में स्त्री जाति के लिए इतना अधिक सम्मान और श्रद्धा है, जिसकी तुलना संसार में हो ही नहीं सकती। पाश्चात्य स्त्रियाँ ऐसे कई कानूनी बंधनों से जकड़ी हुई हैं, जिनसे भारतीय स्त्रियाँ सर्वथा मुक्त एवं अपरिचित हैं। भारतीय समाज में निश्चय ही दोष और अपवाद दोनों हैं। पर यही स्थिति पाश्चात्य समाज की भी है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि संसार के सभी भागों में प्रीति, कोमलता और साधुता को अभिव्यक्त करने के प्रयत्न चल रहे हैं। भारतीय स्त्री-जीवन में बहुत-सी समस्याएँ हैं और ये समस्याएँ बड़ी गंभीर हैं। परन्तु इनमें से कोई भी ऐसी नहीं हैं जो 'शिक्षा' रूपी मंत्र-बल से हल न हो सके। पर हाँ, शिक्षा की सच्ची कल्पना हममें से कदाचित ही किसी ने की हो। मैं मानता हूँ कि सच्ची शिक्षा वह है जिससे मनुष्य की मानसिक शक्तियों का विकास हो। वह शब्दों का केवल रटना मात्र न हो। यह व्यक्ति की मानसिक शक्तियों का ऐसा विकास हो जिससे वह स्वयमेव स्वतंत्रतापूर्वक विचार करके उचित निर्णय कर सके। भारतीय स्त्रियों को ऐसी शिक्षा दी जाए जिससे वे निर्भय होकर भारत के प्रति अपने कर्तव्य को भली-भाँति निभा सकें और संघमित्रा, लीला, अहिल्याबाई और मीरा आदि महान भारतीय देवियों की परंपरा को आगे बढ़ा सकें, 'वीर-प्रसूता' बन सकें।

1. गद्यांश में समस्त विश्व द्वारा किए जाने वाले किन प्रयत्नों का उल्लेख है? **1**

(a) स्त्रियों को धार्मिक-सामाजिक शिक्षा दिए जाने के लिए किए जाने वाले प्रयास।

(b) लोगों में प्रेम, सज्जनता एवं संवेदनशीलता के विकास के लिए किए गए प्रयास।

(c) मानव जाति को धर्म-राजनीति की शिक्षा हेतु किए जाने वाले प्रयास।

(d) समस्त समस्याओं का समाधान धर्म में तलाशने हेतु किए जाने वाले प्रयास।

2. "भारतीय समाज में निश्चय ही दोष और अपवाद दोनों हैं।" विवेकानंद ने ऐसा क्यों कहा? **1**

(a) भारतीय समाज में महिलाओं के शोषित और सशक्त दोनों रूप होने के कारण।

(b) भारतीय समाज में महिलाओं का बहुत अधिक शोषण होने के कारण।

(c) भारतीय समाज में महिलाओं के अत्यधिक धार्मिक होने के कारण।

(d) भारतीय समाज में महिलाओं के अत्यधिक अशिक्षित होने के कारण।

3. 'सच्ची शिक्षा' की परिकल्पना में शामिल नहीं है— **1**

(a) धर्म-शिक्षा के माध्यम से सामाजिक समस्याओं का समाधान।

(b) महिलाओं की शिक्षा-प्राप्ति में समान रूप से भागीदारी।

(c) अभय, सजगता एवं कर्तव्यबोध के विकास हेतु शिक्षा।

(d) स्वतंत्र सोच एवं निर्णय क्षमता के विकास हेतु शिक्षा।

4. हर समस्या के समाधान का राम-बाण है— **1**

(a) सर्व शिक्षा **(b)** स्त्री शिक्षा

(c) सामाजिक शिक्षा **(d)** राजनैतिक शिक्षा

5. 'वीर-प्रसूता' का आशय है— **1**

(a) अपना निर्णय स्वयं लेने वाली

(b) परंपराओं का निर्वाह करने वाली

(c) वीरों को जन्म देने वाली

(d) कर्तव्य का बोध रखने वाली

अथवा

सोना तपने पर कंचन बनता है। ठीक यही बात आदमी के साथ भी है। हमारे धर्मग्रंथों में कहा गया है कि दुनिया में सबसे दुर्लभ आदमी का शरीर है। सारे प्राणियों में आदमी को ऊँचा माना गया है और वह इसलिए कि आदमी के पास बुद्धि है, विवेक है। संसार में जितनी चीज़ें आविष्कृत हुई हैं, सब बुद्धि के ज़ोर पर हुई हैं। आज हज़ारों मील की यात्रा घंटों में हो जाती है। यह सब आदमी की बुद्धि से ही संभव हुआ है। जिसके पास इतनी चीज़ें हों कि वह धन या दुनियादारी की चीज़ों के पीछे भटके, यह उचित नहीं है। बुद्धि का प्रयोग उसे बराबर आगे बढ़ने के लिए करना चाहिए। जिन्होंने ऐसा किया है, उन्होंने मानवता की बड़ी सेवा की है। उनका नाम अमर हो गया है। धन का खोट आदमी को तब मालूम होता है, जब वह खरा बनने लगता है। खरा बनने का अर्थ यह नहीं है कि इंसान घर-बार छोड़ दे, जंगल में चला जाए और भगवान के चरणों में लौ लगाकर बैठा रहे। बहुत-से लोग ऐसा करते भी हैं, पर यह रास्ता सबका रास्ता नहीं है। दुनिया में ज़्यादातर लोगों का वास्ता अपने घर के लोगों से ही नहीं, दूसरों के साथ भी पड़ता है। उत्तम पुरुष वह है, जो अपनी बुराइयों को दूर करता है और नीति का जीवन बिताते हुए अपने देश और समाज में काम आता है, सबसे प्रेम करता है और सबके सुख-दु:ख में काम आता है।

6. बुद्धि-विवेक का प्रयोग किस कार्य में होना चाहिए? **1**

(a) सफर को आसान बनाने वाली खोजों में।

(b) अधिक से अधिक धन-दौलत जुटाने में।

(c) निरंतर स्वयं का विकास करते रहने में।

(d) भौतिक सुख-सुविधाओं को प्राप्त करने में

7. सभी प्राणियों में मानव को सर्वश्रेष्ठ क्यों माना गया है? **1**

(a) उसके पास मौजूद बुद्धि और विवेक के कारण।

(b) पशुओं से भिन्न विशेष शारीरिक संरचना के कारण।

(c) उसके पास मौजूद धन और दौलत के कारण।

(d) उसके द्वारा की गई विविध खोजों के कारण।

8. धन की निरर्थकता का अहसास कब होता है? **1**

(a) जब उससे मनचाही वस्तु नहीं मिल पाती है।

(b) घर-संसार का त्याग कर संन्यास ग्रहण करने पर।

(c) यह पता चलने पर कि इससे प्राप्त सुख वास्तविक नहीं है।

(d) यह पता चलने पर कि इनकी मौजूदगी खतरे का कारण है।

9. धर्मग्रंथ किसे दुर्लभ बताते हैं? **1**

(a) अमर होने को **(b)** बुद्धि-विवेक को

(c) भौतिक उपलब्धि को **(d)** मानव तन को

10. 'श्रेष्ठ' कौन है? **1**

(a) प्रेम और मानवता में विश्वास करने वाला।

(b) निरंतर अपना आर्थिक विकास करने वाला।

(c) भक्ति और शक्ति में विश्वास करने वाला।

(d) निरंतर अपना शैक्षणिक विकास करने वाला।

II. नीचे दो गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए— **1 × 5 = 5**

मध्यप्रदेश के देवास जनपद में लोगों के संकल्प और पुरुषार्थ से 1067 तालाब बनाए गए। पर्याप्त संख्या में तालाब न होने से मध्यप्रदेश में पानी की कमी बनी रहती है लेकिन देवास में पानी की किल्लत खत्म हो गई है। ऐसा ही संकल्प अगर देश के हर गाँव और कस्बे में रहने वाले लोगों में आ जाए तो पानी को लेकर हाहाकार की स्थिति किसी गाँव में नहीं होगी। परंपरागत तालाब संस्कृति को पुनर्जीवित किए बिना हर गाँव में तालाब संस्कृति का पुनर्वास नहीं हो सकता। आज देश के 254 जिलों मे पानी की भारी किल्लत है। इससे यहाँ की आबादी को उसकी जरूरत के मुताबिक पानी नहीं मिल पा रहा है। पानी का अत्यधिक दोहन और पानी की खपत बढ़ने के कारण पिछले 30-40 वर्षों में पानी की समस्या तेज़ी से बढ़ी है। एक तरफ तो पानी की प्रति व्यक्ति की माँग निरंतर बढ़ती जा रही है वहीं दूसरी ओर देश की आबादी भी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में पानी की माँग बढ़ेगी और उसकी उपलब्धता कम होती जाएगी। केंद्रीय मौसम विज्ञान के अनुसार देश की कुल वार्षिक वर्षा 1170 मि.मी. होती है, वह भी महज तीन महीने में, लेकिन इस अकूत पानी का इस्तेमाल हम महज़ 20% ही कर पाते हैं अर्थात् 80% पानी बिना इस्तेमाल यों ही बह जाता है। अगर बरसात के पानी को संरक्षित करने की योजना पर अमल करें तो पानी की कमी से ही छुटकारा नहीं मिलेगा बल्कि पानी को लेकर होने वाली राजनीति से भी हमेशा के लिए छुटकारा मिल जाएगा।

11. जल को लेकर होने वाली राजनीति को कैसे दूर किया जा सकता है? **1**

(a) जल को लेकर कोरी राजनीति करके।
(b) जल को लेकर राजनीति न करके।
(c) जल संबंधी कानूनों का निर्माण करके।
(d) जल संरक्षण की योजना पर अमल करके।

12. देवास निवासियों की जल-समस्या का समाधान हुआ— **1**

(a) जल संरक्षण हेतु व्यापक रूप से तालाबों का निर्माण करके।
(b) जल संरक्षण हेतु व्यापक रूप से धरना-प्रदर्शन करके।
(c) जल संरक्षण हेतु व्यापक रूप से राजनीति करके।
(d) जल संरक्षण हेतु व्यापक रूप से कानून-निर्माण करके।

13. वार्षिक वर्षा का कितना प्रतिशत जल बर्बाद हो जाता है? **1**

(a) 80 प्रतिशत **(b)** 20 प्रतिशत
(c) 30 प्रतिशत **(d)** 40 प्रतिशत

14. देश की जल संबंधी समस्या का सर्वोपयुक्त समाधान है— **1**

(a) वर्षा के जल को संरक्षित करने की योजना बनाना।
(b) वर्षा के जल को संरक्षित करने हेतु कानून बनाना।
(c) वर्षा के जल को संरक्षित करने पर विचार-विमर्श करना।
(d) वर्षा के जल को संरक्षित करने की योजना पर अमल करना।

15. निम्नलिखित में से क्या, जल की बढ़ती किल्लत का कारण नहीं है? **1**

(a) जल की बढ़ती खपत **(b)** देश की बढ़ती आबादी
(c) तालाबों का संरक्षण **(d)** जल का अत्यधिक दोहन

अथवा

ईश्वर का नाम लेकर उस पर विश्वास कर हम मन में शक्ति का एकीकरण कर कार्यरत होते हैं। हमारा विश्वास मज़बूत होता है कि हमारे साथ ईश्वर है। हम इस कार्य में सफल होंगे। आत्मविश्वास को दृढ़ बनाने के लिए ईश्वर का अस्तित्व बनाया गया है। इसके साथ-साथ 'ईश्वर' की कल्पना मनुष्य को भयभीत भी करती है। एकांत में भी मनुष्य कोई पाप या गलत काम न कर सके, इसी आधार पर उसे सर्वव्यापी, सर्वद्रष्टा बतलाया गया है। कण-कण में उसका निवास माना गया है। मनुष्य पर नियंत्रण रखने के लिए किसी-न-किसी शक्ति की आवश्यकता तो है ही। इसी आधार पर ईश्वर की संकल्पना की गई और इसी प्रकार असफलताओं को रोकने के लिए, अपने दोष पर परदा डालने के लिए 'भाग्य' की भी कल्पना की गई। हम स्वयं अपने भाग्य विधाता हैं। जैसा कार्य करेंगे, वैसा फल पाएँगे। अतएव भाग्य को आप दोष न दें। चींटी को देखें। वह कितनी बार चढ़ती-गिरती है। अगर वह भाग्यवादी होती तो फिर चढ़ ही न पाती। निरंतर प्रयास करके ही वह सफल होती है। वह भाग्य पर निर्भर नहीं, कर्म करके दिखलाती है। इस कारण बराबर कार्य में लगे रहें। सफलता हाथ आए या फिर असफलता ..., सफलता पर प्रसन्न होकर अपनी प्रगति धीमी न करें। असफलता पर घबराकर या निराश होकर मैदान छोड़कर न भागें। अपना कार्य बराबर आगे बढ़ाते रहें। जो उद्यम करते हैं, परिश्रमरत रहते हैं, निरंतर अपने कदम का ध्यान रखते हैं, वे अवश्य ही जो भी इच्छा करते हैं, पा जाया करते हैं।

16. अकर्मण्य अपनी असफलता का कारण किसे मानते हैं? **1**

(a) ईश्वर को **(b)** दुर्भाग्य को
(c) सौभाग्य को **(d)** परिश्रम को

17. मनुष्य का भाग्य विधाता कौन है? **1**

(a) उसके अपने कर्म **(b)** उसका अपना भाग्य
(c) उसकी अपनी शिक्षा **(d)** उसका अपना ज्ञान

18. ईश्वर की संकल्पना क्यों की गई है? **1**

(a) हमें कुमार्ग पर जाने से रोकने के लिए।
(b) हमें पुण्य करने का महत्त्व समझाने के लिए।
(c) हमें भाग्य में विश्वास करना सिखाने के लिए।
(d) जीवन में डर-डर कर आगे बढ़ने के लिए।

19. चींटी हमें क्या संदेश देती है? **1**

(a) उठने के लिए गिरना आवश्यक है।
(b) सफलता बार-बार गिरने से मिलती है।
(c) सफलता हेतु सतत प्रयास आवश्यक है।
(d) गिरने के लिए उठना आवश्यक है।

20. गद्यांश में समर्थन किया गया है— **1**

(a) धर्मवाद का। **(b)** ईश्वरवाद का।
(c) भाग्यवाद का। **(d)** कर्मवाद का।

खण्ड–'ख' [1×16=16]

(व्यावहारिक व्याकरण)

III. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए— 1 × 4 = 4

21. 'कमरे में आते ही भाई साहब का वह रौद्र रूप देखकर प्राण सूख जाते।'—रेखांकित पदबंध है— **1**

(a) सर्वनाम पदबंध **(b)** विशेषण पदबंध
(c) संज्ञा पदबंध **(d)** क्रियाविशेषण पदबंध

22. 'सुलेमान उनकी बातें सुनकर थोड़ी दूर पर रुक गए।'—इस वाक्य में क्रिया पदबंध है— **1**

(a) उनकी बातें सुनकर **(b)** थोड़ी दूर पर
(c) रुक गए **(d)** बातें सुनकर थोड़ी दूर

23. 'उसने तताँरा को तरह-तरह से अपमानित किया।'—इस वाक्य में रेखांकित पदबंध का प्रकार है— **1**

(a) विशेषण पदबंध **(b)** क्रियाविशेषण पदबंध
(c) सर्वनाम पदबंध **(d)** क्रिया पदबंध

24. 'फैलते हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया।'—रेखांकित पदबंध का भेद है— **1**

(a) संज्ञा पदबंध **(b)** सर्वनाम पदबंध
(c) क्रिया पदबंध **(d)** विशेषण पदबंध

25. 'वह तलवार को अपनी तरफ़ खींचते-खींचते दूर तक पहुँच गया।'—रेखांकित पदबंध का भेद छाँटिए। **1**

(a) क्रिया पदबंध **(b)** विशेषण पदबंध

(c) क्रियाविशेषण पदबंध **(d)** सर्वनाम पदबंध

IV. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए— 1 × 4 = 4

26. निम्नलिखित में से उपयुक्त सरल वाक्य छाँटिए— **1**

(a) जो कुछ पढ़ो, उसका अभिप्राय समझो।

(b) भाई साहब उपदेश देने की कला में निपुण थे।

(c) मैं उनकी लताड़ सुनता और आँसू बहाने लगता।

(d) वे तो वही देखते हैं जो पुस्तक में लिखा है।

27. 'खिड़की के बाहर अब दोनों कबूतर रात-भर खामोश और उदास बैठे रहते हैं।'—रचना की दृष्टि से वाक्य है— **1**

(a) सरल वाक्य **(b)** संयुक्त वाक्य

(c) मिश्र वाक्य **(d)** संकेतवाचक वाक्य

28. 'नूह ने उसकी बात सुनी और दु:खी हो मुद्दत तक रोते रहे।'—इस वाक्य का सरल वाक्य के रूप में रूपांतरित वाक्य है— **1**

(a) जब नूह ने उसकी बात सुनी तब वे दु:खी हो गए और मुद्दत तक रोते रहे।

(b) नूह उसकी बात सुनकर दु:खी हो मुद्दत तक रोते रहे।

(c) नूह ने दु:खी होकर उसकी बात सुनी और मुद्दत तक रोते रहे।

(d) चूँकि नूह ने उसकी बात सुनी इसलिए वे दु:खी हो मुद्दत तक रोते रहे।

29. निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य है— **1**

(a) संसार की रचना कैसे भी हुई हो लेकिन धरती किसी एक की नहीं है।

(b) सहसा नारियल के झुरमुटों में उसे एक आकृति कुछ साफ हुई।

(c) बार-बार ततहाँ का याचना भरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता था।

(d) मेरे जीवन में यह पहली बार है कि मैं इस तरह से विचलित हुआ हूँ।

30. 'सालाना इम्तिहान में मैं पास हो गया और दरजे में प्रथम आया।' रूपांतरित करने पर इस वाक्य का मिश्र वाक्य होगा— **1**

(a) सालाना इम्तिहान में मैं पास होकर दरजे में प्रथम आया।

(b) सालाना इम्तिहान हुआ, मैं पास हो गया और दरजे में प्रथम आया।

(c) मैं पास हो गया और दरजे में प्रथम आया क्योंकि सालाना इम्तिहान हुआ।

(d) जब सालाना इम्तिहान हुआ तो मैं पास हो गया और दरजे में प्रथम आया।

V. निम्नलिखित छह प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए— 1 × 4 = 4

31. 'नरहरि' शब्द किस समास का उदाहरण है? **1**

(a) अव्ययीभाव समास **(b)** द्विगु समास

(c) तत्पुरुष समास **(d)** कर्मधारय समास

32. तत्पुरुष समास का उदाहरण है— **1**

(a) थोड़ा-बहुत **(b)** आगे-पीछे

(c) परिंदे-चरिंदे **(d)** शब्द-रचना

33. अव्ययीभाव समास का उदाहरण नहीं है— **1**

(a) बेवक्त **(b)** बेहतर

(c) बेकार **(d)** बेराह

34. 'आँचरहित' शब्द के लिए सही समास विग्रह है— **1**

(a) आँच से रहित **(b)** आँच और रहित

(c) आँच में रहित **(d)** रहित आँच के

35. उत्तर पद प्रधान होता है— **1**

(a) बहुव्रीहि समास का **(b)** अव्ययीभाव समास का

(c) द्वंवद्वव समास का **(d)** तत्पुरुष समास का

36. 'शब्दहीन' शब्द के लिए सही समास विग्रह और भेद का चयन कीजिए— **1**

(a) शब्द है जो हीन — कर्मधारय

(b) हीन है जो शब्द — तत्पुरुष

(c) शब्द से हीन — कर्मधारय

(d) शब्द से हीन — तत्पुरुष

VI. निम्नलिखित पाँच में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए— 1 × 4 = 4

37. 'निराशा के बादल छँटना'—मुहावरे का सही अर्थ है— **1**

(a) कुछ अच्छा होना **(b)** परेशान होना

(c) उदासी दूर होना **(d)** दु:खी हो जाना

38. 'व्यंग्य करना' वाक्यांश के लिए उपयुक्त मुहावरा है— **1**

(a) सूक्ति बाण चलाना **(b)** आड़े हाथों लेना

(c) दाँतों पसीना आना **(d)** बहुत फज़ीहत करना

39. ईश्वर को पाने के लिए .....ही पड़ता है।—रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए उपयुक्त मुहावरे का चयन कीजिए। **1**

(a) बेराह चलना **(b)** आपा खोना

(c) मुँह की खाना **(d)** लोहा मानना

40. मुहावरे और अर्थ के उचित मेल वाले विकल्प का चयन कीजिए। **1**

(a) घुड़कियाँ खाना— साहस प्राप्त होना

(b) तलवार खींचना—सब कुछ नष्ट करना

(c) पन्ने रंगना—व्यर्थ में लिखना

(d) आग-बबूला होना—अपने वश में रहना

41. 'आटे-दाल का भाव मालूम होना' मुहावरे का अर्थ है— **1**

(a) किसी को सबक सिखना

(b) कठिनाइयों का ज्ञान होना

(c) चीज़ों के भाव पता चलना

(d) खरीदारी के गुरों का ज्ञान होना

खण्ड–'ग' [1×14=14]

(पाठ्यपुस्तक)

VII. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए— 1 × 4 = 4

जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहि।
सब अँधियारा मिटि गया, जब दीपक देखा माँहि।।
पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोई।
ऐकै अषिर पीव का, पढ़ै सु पंडित होइ।।

42. 'जब मैं था' में "मैं" किसका प्रतीक है? **1**
(a) कवि **(b)** ईश्वर
(c) जगत **(d)** अहंकार

43. कवि ने सच्चा ज्ञानी किसे माना है? **1**
(a) जो बहुत अधिक शिक्षित हो
(b) जो बिलकुल ही अशिक्षित हो
(c) जो धार्मिक नियमों को माने
(d) जो सबके प्रति प्रेम-भाव रखे

44. ईश्वर-ज्ञान कैसे संभव है? **1**
(a) भक्ति-भाव पूर्ण भजन से **(b)** तीर्थ यात्रा पर जाने से
(c) पर्याप्त दान-पुण्य करने से **(d)** अहंकार के नष्ट होने से

45. निम्नलिखित कथनों में से सत्य कथन छाँटिए— **1**
(a) ईश्वर और अज्ञान का निवास साथ-साथ ही होता है।
(b) ईश्वर और मैं—भाव साथ-साथ निवास नहीं कर सकते।
(c) ईश्वर और अहंकार में परस्पर विरोध भाव नहीं है।
(d) ईश्वर और अहंकार में परस्पर सहयोग का भाव होता है।

VIII. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए— 1 × 5 = 5

वामीरो घर पहुँचकर भीतर ही भीतर कुछ बेचैनी महसूस करने लगी। उसके भीतर तताँरा से मुक्त होने की एक झूठी छटपटाहट थी। एक झल्लाहट में उसने दरवाज़ा बंद किया और मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास किया। बार-बार तताँरा का याचना भरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता। उसने तताँरा के बारे में कई कहानियाँ सुन रखी थीं। उसकी कल्पना में वह एक अद्‌भुत साहसी युवक था। किंतु वही तताँरा उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया। सुंदर, सभ्य, बलिष्ठ किंतु बेहद शांत और भोला। उसका व्यक्तित्व कदाचित वैसा ही था जैसा वह अपने जीवन-साथी के बारे में सोचती रही थी। किंतु एक दूसरे गाँव के युवक के साथ संबंध परंपरा के विरुद्ध था। अतएव उसने उसे भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा।

46. वामीरो के लिए तताँरा को भूलना क्यों आवश्यक था? **1**
(a) तताँरा से मिलकर उसका मन बेचैन हो गया था।
(b) तताँरा ने उसे गीत गाने को विवश किया था।
(c) वह उसके जीवन-साथी की कल्पना पर खरा नहीं था।
(d) दूसरे गाँव के युवक से संबंध रखना परंपरा के विरुद्ध था।

47. वामीरो घर पहुँचकर कैसा महसूस कर रही थी? **1**
(a) आह्लादित **(b)** संयत
(c) संकुचित **(d)** असहज

48. 'तताँरा से मुक्त होने की झूठी छटपटाहट' का आशय है— **1**
(a) सहानुभूति और दिखावे के लिए मुक्त होने का दिखावा करना।
(b) वह सचमुच ही तताँरा की यादों से मुक्त होना चाहती थी।
(c) उसे तताँरा के तरीके और बातों पर गुस्सा आ रहा था।
(d) वह तताँरा के तौर-तरीके से बहुत अधिक प्रभावित थी।

49. वामीरो की कल्पना वाला तताँरा कैसा था? **1**
(a) अद्‌भुत - साहसी **(b)** सभ्य - भोला
(c) भोला - शांत **(d)** सुंदर - सभ्य

50. गाँव की क्या परंपरा थी? **1**
(a) अपने गाँव के युवक से संबंध-निषेध की।
(b) दूसरे गाँव के युवक से संबंध-निषेध की।
(c) तताँरा जैसे युवक के साथ संबंध-निषेध की।
(d) याचक जैसे युवक के साथ संबंध-निषेध की।

IX. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए— 1 × 5 = 5

बाइबिल और दूसरे पावन ग्रंथों में नूह नाम के एक पैगंबर का ज़िक्र मिलता है। उनका असली नाम लशकर था। लेकिन अरब में उन्हें नूह के लकब से याद किया जाता है। वह इसलिए कि वह सारी उम्र रोते रहे। इसका कारण एक ज़ख्मी कुत्ता था। नूह के सामने से एक बार एक घायल कुत्ता गुज़रा। नूह ने उसे दुत्कारते हुए कहा, 'दूर हो जा गंदे कुत्ते!' इस्लाम में कुत्तों को गंदा समझा जाता है। कुत्ते ने उनकी दुत्कार सुनकर जवाब दिया, 'न मैं अपनी मर्ज़ी से कुत्ता हूँ, न तुम अपनी पसंद से इंसान हो। बनाने वाला सबका तो वही एक है।'

मट्‌टी से मट्‌टी मिले, खो के सभी निशान।
किसमें कितना कौन है, कैसे हो पहचान।

नूह ने जब उसकी बात सुनी तब दु:खी हो मुद्‌दत तक रोते रहे। 'महाभारत' में युधिष्ठिर का जो अंत तक साथ निभाता नज़र आता है, वह भी प्रतीकात्मक रूप में एक कुत्ता ही था।

51. सभी जीवों का जन्म किसकी मर्ज़ी से होता है? **1**
(a) स्वयं की **(b)** धर्म की
(c) कर्म की **(d)** ईश्वर की

52. नूह सारी उम्र क्यों रोते रहे? **1**
(a) लशकर होने के कारण **(b)** पैगंबर होने के कारण
(c) प्रायश्चित-भाव के कारण **(d)** अस्वस्थ होने के कारण

53. गद्यांश का संदेश है— **1**
(a) हमें सबके प्रति असंवेदनशील होना चाहिए।
(b) हमें सबके प्रति संवेदनशील होना चाहिए।
(c) हमें किसी गलती के लिए ताउम्र रोना चाहिए।
(d) ताउम्र रोना ही सही मायने में प्रायश्चित है।

54. 'मट्‌टी से मट्‌टी मिले, खोकर सभी निशान' का आशय है— **1**
(a) मृत्युपरांत सभी जीवों का निजी अस्तित्व समाप्त हो जाता है।
(b) मिट्‌टी, मिट्‌टी में ही मिलाई जा सकती है।
(c) सभी जीवों का निर्माण मिट्‌टी से नहीं हुआ है।
(d) सभी जीवों का अस्तित्व स्वयं उसके वश में है।

55. नूह ने कुत्ते को क्यों दुत्कारा? **1**
(a) वह उनसे अधिक ज्ञानी था।
(b) वह उन्हें काफी खतरनाक लगा।
(c) उन्हें कुत्ते पसंद नहीं थे।
(d) वे कुत्ते को गंदा मानते थे।

❑❑❑

उत्तरमाला

खण्ड–'क'

(अपठित गद्यांश)

I. 1. **(b)** लोगों में प्रेम, सज्जनता एवं संवेदनशीलता के विकास के लिए किए गए प्रयास।

व्याख्या—क्योंकि विवेकानंद जी ने संसार के सभी भागों में प्रीति, कोमलता और साधुता को अभिव्यक्त करने के प्रयत्न चल रहे हैं, बताया है।

2. **(a)** भारतीय समाज में महिलाओं के शोषित और सशक्त दोनों रूप होने के कारण।

व्याख्या—क्योंकि यहाँ दोनों प्रकार शोषित और सशक्त की महिलाएँ हैं।

3. **(a)** धर्म-शिक्षा के माध्यम से सामाजिक समस्याओं का समाधान।

व्याख्या—विवेकानंद के अनुसार सच्ची शिक्षा से मनुष्य की मानसिक शक्तियों का विकास होता है न कि धर्मशिक्षा से।

4. **(a)** सर्व शिक्षा

व्याख्या—सभी समस्यों का समाधान शिक्षा से ही होता है।

5. **(c)** वीरों को जन्म देने वाली

व्याख्या—वीर प्रसूता का अर्थ वीरों को जन्म देने वाली माता होता है।

अथवा

6. **(c)** निरंतर स्वयं का विकास करते रहने में।

व्याख्या—बुद्धि के प्रयोग से ही हम आगे बढ़ते हैं न कि भौतिक सुख-सुविधाओं और सफर को आसान बनाने के लिए।

7. **(a)** उसके पास मौजूद बुद्धि और विवेक के कारण।

व्याख्या—क्योंकि मानव के पास ही सोचने-समझने की क्षमता है जो कि बुद्धि और विवेक के कारण ही उत्पन्न होती है।

8. **(c)** यह पता चलने पर कि इससे प्राप्त सुख वास्तविक नहीं है।

व्याख्या—क्योंकि धन से भौतिक सुख-सुविधाएँ तो प्राप्त हो सकती हैं परंतु मानसिक सुख नहीं, अत: धन से सब सुखों की प्राप्ति नहीं होती।

9. **(d)** मानव तन को

व्याख्या—धर्मग्रंथों में आदमी को ही ऊँचा माना गया है इसलिए मानव तन दुर्लभ है।

10. **(a)** प्रेम और मानवता में विश्वास करने वाला।

व्याख्या—लेखक के अनुसार सबसे प्रेम करने वाला और सबके सुख दु:ख में काम आने वाला ही उत्तम है।

II. 11. **(d)** जल संरक्षण की योजना पर अमल करके।

व्याख्या—यदि सरकार बरसात के पानी को संरक्षित करने की योजना पर ज़ोर देगी तो पानी से होने वाली राजनीति दूर हो सकती है।

12. **(a)** जल संरक्षण हेतु व्यापक रूप से तालाबों का निर्माण करके।

व्याख्या—देवास जनपद में लोगों के संकल्प और पुरुषार्थ से पर्याप्त मात्रा में तालाब बनाने से जल समस्या का समाधान हुआ।

13. **(a)** 80 प्रतिशत

व्याख्या—समय से जल संरक्षण न करने से बरसात का 80 प्रतिशत पानी बर्बाद हो जाता है।

14. **(d)** वर्षा के जल को संरक्षित करने की योजना पर अमल करना।

15. **(c)** तालाबों का संरक्षण

व्याख्या—क्योंकि पानी की बढ़ती कमी का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या और जल की खपत और दोहन हैं न कि तालाब का संरक्षण।

अथवा

16. **(b)** दुर्भाग्य को

व्याख्या—अकर्मण्य अपनी असफलता का कारण अपने भाग्य को देते हैं।

17. **(a)** उसके अपने कर्म

व्याख्या—जैसा करेंगे वैसा ही फल पाएँगे। अत: हमारे कर्म ही हमारा भाग्य हैं।

18. **(a)** हमें कुमार्ग पर जाने से रोकने के लिए।

व्याख्या—ईश्वर के डर से ही मनुष्य कोई भी गलत कार्य नहीं करता है।

19. **(c)** सफलता हेतु सतत प्रयास आवश्यक है।

व्याख्या—क्योंकि केवल चींटी ही है जो बारबार गिरकर भी हार नहीं मानती और अपना प्रयास जारी रखती है।

20. **(d)** कर्मवाद का।

व्याख्या—लेखक ने संपूर्ण गद्यांश में कर्म अर्थात परिश्रम को ही महत्त्व दिया है।

खण्ड-'ख'

(व्यावहारिक व्याकरण)

III. 21. **(b)** विशेषण पदबंध

व्याख्या—पदबंध में एक से अधिक पद मिलकर एक व्याकरणिक इकाई का काम करते हैं तो इस पूरे वाक्य में रेखांकित वाक्य भाई साहब की विशेषता में बता रहा है अत: यहाँ विशेषण पदबंध है।

22. **(c)** रुक गए

व्याख्या—इस वाक्य में सुलेमान चीटियों की बातें सुनकर रुक गए अत: रुक गए क्रिया पदबंध है।

23. **(b)** क्रियाविशेषण पदबंध

व्याख्या—क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द को क्रियाविशेषण कहते हैं।
अत: ततौंरा को अपमानित किया में रेखांकित वाक्य ''तरह -तरह'' क्रियाविशेषण पदबंध है।

24. **(d)** विशेषण पदबंध

व्याख्या—इस वाक्य में पदसमूह 'फैलते हुए प्रदूषण' ये पदबंध की विशेषता बता रहा है जो कि एक संज्ञा शब्द है। इसलिए यहाँ पर विशेषण पदबंध होगा।

25. **(c)** क्रियाविशेषण पदबंध

व्याख्या—क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द को क्रियाविशेषण कहते हैं।
अत: यहाँ पर रेखांकित वाक्य में क्रियाविशेषण पदबंध है।

IV. 26. **(b)** भाई साहब उपदेश देने की कला में निपुण थे।

व्याख्या—क्योंकि सरल वाक्य में एक ही कर्त्ता, एक ही विधेय होता है।

27. **(a)** सरल वाक्य

व्याख्या—क्योंकि इस वाक्य में भी एक कर्त्ता और एक विधेय है।

28. **(b)** नूह उसकी बात सुनकर दु:खी हो मुद्दत तक रोते रहे।

व्याख्या—क्योंकि सरल वाक्य में संयोजक शब्द ''और'' नहीं होता है।

29. **(a)** संसार की रचना कैसे भी हुई हो लेकिन धरती किसी एक की नहीं है।

व्याख्या—संयुक्त वाक्य में संयोजक शब्दों का प्रयोग किया जाता है।

30. **(d)** जब सालाना इम्तिहान हुआ तो मैं पास हो गया और दरजे में प्रथम आया।

व्याख्या—मिश्र वाक्य में एक प्रधान वाक्य होता हैं और दूसरे वाक्य उस पर आश्रित होते हैं।

V. 31. **(d)** कर्मधारय समास

व्याख्या—नरहरि का समास विग्रह ''नर जैसा हरि'' अत: यहाँ कर्मधारय समास है।

32. **(d)** शब्द-रचना

व्याख्या—हाँ शब्द- रचना में षष्ठी तत्पुरुष समास है शेष में नहीं।

33. **(b)** बेहतर

व्याख्या—शेष शब्दों में अव्ययीभाव समास है केवल बेहतर में नहीं है।

34. **(a)** आँच से रहित

व्याख्या—आँचरहित = आँच से रहित।

35. **(d)** तत्पुरुष समास का

व्याख्या—परिभाषा के अनुसार तत्पुरुष समास में उत्तर-पद प्रधान होता है।

36. **(d)** शब्द से हीन – तत्पुरुष

व्याख्या—'हीन' शब्द पंचम तत्पुरुष समास में आता हैं तो शब्द से हीन तत्पुरुष समास है।

VI. 37. **(c)** उदासी दूर होना

व्याख्या—निराशा के बादल छँटना मुहावरे का सही अर्थ दु:खों को दूर करना होता है।

38. **(a)** सूक्ति बाण चलाना

व्याख्या—सूक्ति बाण चलाना के लिए सही अर्थ व्यंग्य करना है।

39. **(b)** आपा खोना

व्याख्या—ईश्वर को पाने के लिए अपना सब कुछ न्योछावर करना पड़ता है। अत: आपा खोना ही सही मुहावरा है।

40. **(c)** पन्ने रंगना—व्यर्थ में लिखना

व्याख्या—यहाँ मुहावरा और उसका अर्थ उत्तर **(c)** का मिल रहा है।

41. **(b)** कठिनाइयों का ज्ञान होना

व्याख्या—आटे दाल का भाव मालूम होना मुहावरे का सही अर्थ है कठिनाइयों का ज्ञान होना।

खण्ड–'ग'

(पाठ्यपुस्तक)

VII. 42. **(d)** अहंकार

व्याख्या—इन पंक्तियों में कबीरदास जी ने ''मैं'' का संबंध अपने मन के घमंड से बताया है।

43. **(d)** जो सबके प्रति प्रेम-भाव रखे

व्याख्या—कवि कबीरदास जी ने ऐसे व्यक्ति को सच्चा ज्ञानी बताया हैं जो सबके प्रति प्रेम और समानता का भाव रखे उसे सच्चा ज्ञानी माना है।

44. **(d)** अहंकार के नष्ट होने से

व्याख्या—ईश्वर का ज्ञान मन के अंदर के अहंकार के खत्म होने से ही प्राप्त होता है।

45. **(b)** ईश्वर और मैं—भाव साथ-साथ निवास नहीं कर सकते।

व्याख्या—ईश्वर और अहंकार एक साथ एक ही जगह पर नहीं रहते।

VIII 46. **(d)** दूसरे गाँव के युवक से संबंध रखना परंपरा के विरुद्ध था।

व्याख्या—अंडमान और निकोबार द्वीप में एक जनजाति दूसरी जनजाति से संबंध नहीं रख सकती थी। ये उनकी परंपरा के विरुद्ध था, इसलिए वामीरो के लिए तताँरा को भूलना आवश्यक था।

47. **(d)** असहज

व्याख्या—तताँरा से पहली मुलाकात के बाद जब वामीरो घर पहुँचती है तो वह अपने आपको बेचैन महसूस करती है इसलिए वह असहज थी।

48. **(d)** वह तताँरा के तौर-तरीके से बहुत अधिक प्रभावित थी।

व्याख्या—वामीरो के लिए तताँरा एक अलग ढंग से उसके सामने आया तो वह उससे बहुत प्रभावित हो गयी।

49. **(a)** अद्‌भुत - साहसी

व्याख्या—वामीरो ने तताँरा के विषय में बहुत-सी कहानियाँ सुन रखी थीं। तो वामीरो के लिए वह एक अद्‌भुत साहसी पुरुष था।

50. **(b)** दूसरे गाँव के युवक से संबंध-निषेध की।

व्याख्या—अंडमान और निकोबार द्वीप में एक जनजाति के लोग दूसरी जनजाति के साथ संबंध नहीं रख सकते थे ये उनकी परंपरा के विरुद्ध था इसलिए वामीरो तताँरा के साथ संबंध नहीं रख सकती थी।

IX 51. **(d)** ईश्वर की

व्याख्या—परमात्मा की इजाजत से ही हम सब इस धरती पर अलग-अलग रूप में आए हैं। तो हम सब जीव उसकी ही संतान हैं।

52. **(c)** प्रायश्चित-भाव के कारण

व्याख्या—नूह द्‌वारा कुत्ते को दुत्कारने पर, जब कुत्ते ने उन्हें असलियत बताई कि मैं और तुम दोनों ही उस ईश्वर द्वारा बनाए गए हैं तो वे सारी उम्र रोते रहे और प्रायश्चित किया।

53. **(b)** हमें सबके प्रति संवेदनशील होना चाहिए।

व्याख्या—इस गद्यांश में लेखक ने सभी जीवों को एक-दूसरे के प्रति प्रेम और समानता का भाव रखने के लिए कहा है।

54. **(a)** मृत्यूपरांत सभी जीवों का निजी अस्तित्व समाप्त हो जाता है।

व्याख्या—प्रस्तुत पंक्ति में कवि कह रहे हैं कि हम सभी एक ही मिट्‌टी अर्थात् धरती से उत्पन्न हुए हैं और उसी धरती की गोद में समा जाते हैं। अत: सभी मिट जाते हैं।

55. **(d)** वे कुत्ते को गंदा मानते थे।

व्याख्या—इस्लाम में कुत्तों को गंदा समझा जाता है इसलिए नूह भी कुत्ते को गंदा मानते थे।

❑❑❑

CBSE - Sample Question Paper
Term – I

OMR SHEET

Booklet Series
A

Use English Numbers / Letters only. Use Blue / Black Ball Point Pen to write in box.

Booklet Series

Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ

Subject

Roll Number

0 0 0 0 0 0 0 0 0 0
1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
2 2 2 2 2 2 2 2 2 2
3 3 3 3 3 3 3 3 3 3
4 4 4 4 4 4 4 4 4 4
5 5 5 5 5 5 5 5 5 5
6 6 6 6 6 6 6 6 6 6
7 7 7 7 7 7 7 7 7 7
8 8 8 8 8 8 8 8 8 8
9 9 9 9 9 9 9 9 9 9

Name

Test Date

Student's Signature

Invigilator's Signature

Certified that all the entries in this section have been properly filled by the student

Proper Marking

The OMR Sheet will be computer checked Fill the circles completely and dark enough for proper detection, Use ballpen (black or blue) for marking.

Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ

Avoid Improper Marking

Partially Filled

Lightly Filled

Test Center Code

0 0
1 1
2 2
3 3
4 4
5 5
6 6
7 7
8 8
9 9

IMPORTANT

The candidate should check that the Test Book Series printed on the OMR Sheet is the same as printed on the Test Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the invigilator for replacement of both the Test Booklet and the Answer Sheet.

Darken the circle for each question.

Q.No.	Response
	खण्ड – क
01	
1.	क ख ग घ
2.	क ख ग घ
3.	क ख ग घ
4.	क ख ग घ
5.	क ख ग घ
	अथवा
1.	क ख ग घ
2.	क ख ग घ
3.	क ख ग घ
4.	क ख ग घ
5.	क ख ग घ
02	
1.	क ख ग घ
2.	क ख ग घ
3.	क ख ग घ
4.	क ख ग घ
5.	क ख ग घ

Q.No.	Response
	अथवा
1.	क ख ग घ
2.	क ख ग घ
3.	क ख ग घ
4.	क ख ग घ
5.	क ख ग घ
	खण्ड – ख
03	
1.	क ख ग घ
2.	क ख ग घ
3.	क ख ग घ
4.	क ख ग घ
5.	क ख ग घ
04	
1.	क ख ग घ
2.	क ख ग घ
3.	क ख ग घ
4.	क ख ग घ
5.	क ख ग घ

Q.No.	Response
05	
1.	क ख ग घ
2.	क ख ग घ
3.	क ख ग घ
4.	क ख ग घ
5.	क ख ग घ
6.	क ख ग घ
06	
1.	क ख ग घ
2.	क ख ग घ
3.	क ख ग घ
4.	क ख ग घ
5.	क ख ग घ
	खण्ड – ग
07	
1.	क ख ग घ
2.	क ख ग घ
3.	क ख ग घ
4.	क ख ग घ

Q.No.	Response
08	
1.	क ख ग घ
2.	क ख ग घ
3.	क ख ग घ
4.	क ख ग घ
5.	क ख ग घ
09	
1.	क ख ग घ
2.	क ख ग घ
3.	क ख ग घ
4.	क ख ग घ
5.	क ख ग घ